अनुसूचित जाति समुदाय के सामाजिक आर्थिक उत्थान में टिकाऊ आंगनबाड़ी कुक्कट पालन की भूमिका–डॉ. जुयाल

जबलपुर। आज दिनांक 10 फरवरी 2020 को नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर (म.प्र.) के कुलपति सभागार में अनुसूचित जाति–उपयोजना (भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली द्वारा पोषित) के अंतर्गत **''अनुसूचित जाति के हितग्राहियों हेतु टिकाऊ आंगनबाड़ी कुक्कट पालन द्वारा उद्यमशीलता एवं कौशल विकास''** हेतु पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन आयोजित हुआ।

उद्यमशीलता एवं कौशल विकास के कार्यक्रम के मुख्य अतिथि–डॉ. प्रयाग दत्त जुयाल, माननीय कुलपति जी, ना.दे.प.चि.वि.वि., जबलपुर एवं विशिष्ट अतिथि डॉ. सुनील नायक, संचालक, विस्तार शिक्षा, ना.दे.प.चि.वि.वि., जबलपुर (म.प्र.) रहे। इस कार्यक्रम का शुभारंभ माननीय मुख्य अतिथि विशिष्ट अतिथि वि.वि. के प्रशासनिक अधिकारियों व संचालकगण के स्वागत पुष्प गुच्छ से हुआ।

कार्यक्रम का स्वागत भाषण डॉ. आर.पी. नेमा, पाठ्यक्रम समन्वयक, प्राध्यापक एवं विभाग प्रमुख कुक्कट विज्ञान विभाग द्वारा दिया गया, जिसमें आपने बताया कि इस कार्यक्रम में **''रिलाइंस फांऊडेशन''** के समन्वय द्वारा जबलपुर जिले के ग्रामः उमरिया चौबे के 25 प्रशिक्षणार्थीयों का चयन किया गया है, जिन्हें पांच दिवसीय उद्यमशीलता एवं कौशल विकास की दिशा में टिकाऊ आंगनबाड़ी कुक्कट पालन विषय पर सैद्धान्तिक एवं व्यवहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया जावेगा, जिसमें विश्वविद्यालय के विषय वस्तु विशेषज्ञों द्वारा ग्रामीण परिवेश में कुक्कट पालन की उन्नत नस्लों, संतुलित आहार पोषण, आवास प्रबंधन कुक्कट रोगों के लक्षण, उपचार एवं टीकाकरण कार्यक्रम, अधिकाधिक अंडा व मांस उत्पादन हेतु आधुनिक कराकर, प्रतिभागियों का कौशल विकास किया जावेगा, जिससे वें स्वरोजगार की दिशा में उद्यमशीलता का अंगीकृत करने में सक्षम हो सकें। उद्बोधन की श्रंखला में डॉ. जे.के. भारद्वाज, संचालक प्रक्षेत्र ने उन्नत कुक्कट पालन विज्ञान की तकनीकी जानकारीयों से अवगत कराया।

उद्यमशीलता एवं कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम के महत्व पर उद्‌गार व्यक्त करते हुये डॉ. सुनील नायक, संचालक विस्तार शिक्षा ने इस वि.वि. के माध्यम से भारतीय कृषि अनसुंधान परिषद्, नई दिल्ली को साधुवाद देते हुये अवगत कराया कि उद्यमशीलता एवं कौशल विकास के चार प्रशिक्षण कार्यक्रम (पांच दिवसीय), प्रशिक्षणार्थी की क्षमता विकसित करने की दिशा में आठ (एक दिवसीय प्रशिक्षण एवं कृषक भ्रमण) तथा एक पशु स्वास्थ्य उपचार शिविर (एक दिवसीय) आदि के आयोजन संचालनालय, विस्तार शिक्षा द्वारा अनुसूचित जातियों के सामाजिक–आर्थिक उत्थान के हितार्थ संपादित कराये जावेगें।

इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माननीय डॉ. प्रयाग दत्त जुयाल, कुलपति, ना.दे.प.चि.वि. वि., जबलपुर ने अपने उद्‌बोधन में संबोधित करते कहा कि यह विश्वविद्यालय अनुसूचित जाति समुदाय सामाजिक–आर्थिक उत्थान की दिशा में निरंतर प्रयासरत् है। निःसंदेह टिकाऊ आंगनबाड़ी कुक्कट पालन द्वारा इस समुदाय के प्रतिभागी उद्यमशीलता एवं कौशल विकास में यह पांच दिवसीय प्रशिक्षण मील का पत्थर साबित होगा। साथ ही आपने यह भी बताया कि म. प्र. के होशंगाबाद जिले के कीरतपुर (इटारसी) में महिलाओं के स्व–सहायता समूह द्वारा उन्नत कुक्कट पालन के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य किये जा रहे हैं, जो कि एक अनुपम पहल है। प्रशिक्षण के दौरान सैद्धान्तिक एवं व्यवहारिक तकनीकी ज्ञान के द्वारा (प्रतिभागीयों) में उद्यमशीलता के साथ प्रतिभागी युवक–युवतीयों में कौशल विकास होगा, जिससे वे स्वरोजगार के माध्यम से स्वाबलंबी होकर अनुसूचित जाति के समुदाय का सामाजिक–आर्थिक उत्थान में महत्ती भूमिका निर्वाहन करेंगें।

इस गरिमामय कार्यक्रम में श्री अजय सिंह ठाकुर, लेखा नियंत्रक, डॉ. अकलंक जैन, संचालक, वेटरनरी पॉलीटेक्निक, डॉ.एस.एस. अतकरे, डॉ. हरि, आर, श्री जगदीश प्रजापति व सहयोगी अधिकारी, रिलांइस फांऊडेशन, डॉ. सुषमा निगम, डॉ. लक्ष्मी चौहान, तह. पनागर के उमरिया चौबे के 25 अनुसूचित जाति के प्रशिक्षणार्थी, श्री अशीष उपाध्याय व श्री सुमित बिरहा की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

इस उद्यमशीलता एवं कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन व आभार प्रदर्शन डॉ. अनिल कुमार गौर द्वारा किया गया।

सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी,
ना.दे.प.चि.वि.वि.,
अधारताल, जबलपुर (म.प्र.)